विचार बिन्दु

यदि चिड़ियाँ एकता कर लें, तो शेर की खाल खींच सकती हैं। –शेख सादी

खिलाड़ियों से सीखें

हंगरी के बुडापेस्ट में, हाल ही में आयोजित विश्व एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भारत के चार धावकों ने 4X400 मीटर की रिलेरेस में अपने प्रदर्शन से न केवल देश का नाम ऊंचा किया है बल्कि देश के सामने एक बड़ा सुखद उदाहरण भी प्रस्तुत किया है। पाठकों का ध्यान शायद इस ओर गया होगा कि जिन चार धावकों ने पहली बार वर्ल्ड एथलेटिक्स प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बनाई, उनके नाम हैं– रमेश राजेश, मोहम्मद अजमल, मोहम्मद अनस और अमोज जैकब। इन नामों से ही स्पष्ट है कि ये हिंदू, मुस्लिम और ईसाई धर्म के हैं। इन चारों की मिली-जुली ताकत का ही परिणाम था कि भारत ने पहली बार विश्व स्तर पर एथलेटिक्स के फाइनल में अपना नाम दर्ज कराया है। इन सब ने केवल और केवल भारत के गौरव को बढ़ाने का काम किया है। यह एक अच्छा अद्भुत उदाहरण है कि कैसे विविधताओं वाले देश में रहने वाले नागरिक, एकजुट होकर प्रदर्शन करते हैं तो कितना मजबूत प्रदर्शन करने में समर्थ होते हैं।

इस उदाहरण से दो बातें स्पष्ट होती हैं। एक तो यह कि देश के साधारण नागरिक को किसी के धर्म से कोई लेना-देना नहीं है और वह जब देश के लिए काम करते हैं तो इन सब बातों से ऊपर उठकर केवल माँ भारती के पुत्र रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में जी जान लगा देते हैं। देश के विभिन्न भागों में अलग-अलग खेलों के लिए आवश्यक नैसर्गिक योग्यताएं विद्यमान हैं जैसे कहीं लचीलेपन के कारण जिमनास्टिक, आदिवासी क्षेत्रों के निवासी निशाना लगाने में, दम ख़म में हरियाणा, पंजाब के निवासी आदि-आदि। बस, केवल उन प्रतिभाओं को समय पर पहचानने और निखारने की आवश्यकता है।

चाहे हिंदू, मुस्लिम, सिख या इसाई में जब भी कभी किसी प्रकार का सांप्रदायिक तनाव होता है तो उसके पीछे मूल कारण कुछ नेताओं की क्षुद्र राजनीति के अतिरिक्त और कुछ नहीं होता। हम यदि केवल खिलाडियों द्वारा प्रदर्शित भाव को हर क्षेत्र में बनाए रख सकें और प्रोत्साहित कर सकें तो देश की प्रगति हर क्षेत्र में बहुत तेज गति से हो सकती है, चाहे वह विज्ञान का क्षेत्र हो, खेल का हो, शिक्षा का हो, चिकित्सा का हो या अन्य किसी भी प्रकार का।

यह एक सर्व ज्ञात तथ्य है कि देश के अनेक भागों में एक धर्म के अनुयाई दूसरे धर्म के धर्म स्थलों का देखरेख करते हैं और उनका पूरा ध्यान रखते हैं। लगभग हर हिन्दू उत्सवों में काम आने वालीं कई वस्तुओं का काम मुसलमानों द्वारा किया जाता है। सांप्रदायिक सद्भाव के ऐसे अनेक उदाहरण सदैव से समाज में विद्यमान रहे हैं। जब भी कभी इनमें दूरियां बढ़ीं तो वह केवल कुछ लोगों द्वारा उकसाने के कारण या कुछ लोगों द्वारा स्वार्थ सिद्धि के लिए सांप्रदायिक और जातिगत तनाव पैदा करने की प्रवृत्ति के कारण हुआ है। इन चारों एथलीट को देश की ओर से सलाम किया जाना चाहिये जिन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि देश के सभी नागरिक एक जुट होकर केवल देश के लिए काम करते हैं बिना किसी भेदभाव के।

जब भी सद्भावना पूर्ण माहौल को किसी भी पक्ष द्वारा बिगाड़ने का प्रयास किया गया तो उसका खामियाजा पूरे देश को भुगतना पड़ा है। सांप्रदायिक उन्माद से जन्मी हिंसा को नियंत्रित करने एवं उसके कारण विभिन्न क्षेत्रों में हुए नुकसान और मनमुटाव को दूर करने में देश का बहुत अधिक समय, ऊर्जा, श्रम और धन व्यर्थ होते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में सर्वाधिक प्रभावित वे लोग होते हैं जो जैसे-तैसे दो जून की रोटी का जुगाड़ करके अपने घर परिवार का गुजर-बसर करते हैं।

एक और अच्छी बात जो इस विश्व एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दौरान दिखाई दी, वह है भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले नीरज चोपड़ा और रजत पदक प्राप्त करने वाले पाकिस्तान के नदीम की दोस्ती। जब नीरज चोपड़ा अपना राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा अपने हाथ में पकड़े हुए थे, उनके साथ में नदीम भी खड़े हुए थे। दोनों का दोस्ताना सदैव चर्चा का विषय रहा है । टोक्यो ओलंपिक में भी नीरज चोपड़ा ने अपना भाला नदीम को दिया था। क्या स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का इससे अच्छा उदाहरण कोई हो सकता है? इस प्रकार की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल हम दोनों देशों के बीच अन्य क्षेत्रों में क्यों नहीं स्थापित कर सकते हैं? दोनों ही देश के नागरिक आज से 75 वर्ष पूर्व भारत में ही साथ रहते थे बिना किसी परेशानी और भेदभाव के। ये एक-दूसरे के दुख दर्द में काम आते थे। कुछ लोगों की अतिरिक्त महत्वाकांक्षा के कारण भारत का विभाजन हुआ और पाकिस्तान बना, किंतु लोगों के रीति-रिवाज, रहन-सहन, खानपान तो जो वर्षों से एक जैसे थे वैसे ही अभी बने हुए हैं। भारत के कई परिवारों के रिश्ते आज भी पाकिस्तान में है।

जब कभी भारत और पाकिस्तान की सीमा पर तनाव होता है तो सबसे बड़ा नुकसान कला, संगीत, फिल्म खेल के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को होता है। यदि दोनों देशों के राजनीतिज्ञ पारस्परिक संबंधों को सामान्य करने में सफल नहीं हो पा रहे हैं, तो क्या यह उचित नहीं होगा कि दोनों देश के खिलाडियों और कलाकारों को ऐसा करने का अवसर दिया जाय। वर्तमान में तो थोड़ा सा तनाव होने पर सर्वप्रथम दोनों देश आपसी व्यापार, खेल स्पर्धा, कलाकारों का आवागमन एक दम बंद कर देते हैं। यह संभावना तब ही है जब विभिन्न दलों के नेता अपने दलीय स्वार्थ और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठकर दोनों देशों और उनके नागरिकों के बारे में सोच सकें। यदि दोनों देशों के नागरिक मिलकर काम करें तो दुनिया की किसी भी ताकत से आगे बढ़ सकते हैं। यदि दोनों देशों के नागरिक साथ में मिलकर काम न भी करें तो कम से कम भारत में रहने वाले विभिन्न धर्म के विविध परंपराओं और विभिन्न मान्यताओं के लोगों के बीच में पूर्ण सद्भाव तो सुनिश्चित कर ही सकते हैं। ऐसा करने से हमारे देश की प्रगति तेजी से हो सकती है। कई बार विभिन्न सांप्रदायिक हिंसक घटनाओं के कारण जो देश पीछे चला जाता है, वह इस प्रकार की घटनाओं से भी बचाया जा सकेगा। सभी समाजों, समुदायों के नेताओं का काम समाज को विभाजित करना नहीं, उसे एकता के सूत्र में बांधना होना चाहिए। हाल ही में हरियाणा के नूह में हिंसक घटनाओं के बाद सभी धार्मिक समुदायों के लोगों ने साथ बैठकर और मिलकर बहुत शीघ्र ही अच्छा, सद्भावनापूर्ण वातावरण तैयार किया जो देश के लिए एक अच्छा उदाहरण है। उन लोगों ने मिलकर यह तय किया कि बाहरी किसी व्यक्ति को उनके जिले में नहीं आने दिया जाएगा और वे अफवाहों पर ध्यान न देकर एक-दूसरे के दु:ख-दर्द में भागीदार बनेंगे। इस प्रकार के वीडियो काफी राहत प्रदान करने वाले हैं और अच्छे भविष्य की और भी संकेत करते हैं।

पूर्व में देश के नागरिकों ने अनेक बार यह सिद्ध किया है कि समय-समय पर जब भी देश कोई बहुत बड़ी सफलता प्राप्त करता है, सब लोग एक साथ मिलकर किस प्रकार से अपनी खुशी को व्यक्त करते हैं, इसका नवीनतम उदाहरण चंद्रयान-3 की सफलता के समय देखा गया। प्रत्येक नागरिक के द्वारा व्यक्त उल्लास देखते ही बनता था। इसी प्रकार जब कभी कोई बाहरी संकट होता है तब भी देश ने अपनी अद्भुत एकता का परिचय दिया है।

कोई राष्ट्र तरक्की तब कर सकता है जब देश में सामाजिक सद्भाव और समरसता बनी रहे। यही सब बातें हैं जो सफलता की कुंजी हैं, इस तथ्य को हमें समझना, स्वीकार और आत्मसात करना होगा।

आगामी चुनाव में जातिगत और धार्मिक भावनाओं को भड़काने के स्थान पर, दोनों समुदायों के समक्ष जो समस्याएं खड़ी हैं जैसे– अज्ञानता, अशिक्षा, कुपोषण गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई आदि के बारे में अधिक ध्यान देना होगा। इन समस्याओं का हल निकालने के संबंध में कोई योजना बनाने में परस्पर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो तो मतदाताओं के लिए एक अच्छा भविष्य तैयार करने का रोड मैप तैयार होगा। ऐसा होना केवल कल्पना नहीं अपितु संभव है । आवश्यकता केवल दृढ़ इच्छा शक्ति की, अपने क्षुद्र स्वार्थ को तिलांजलि देने की है। ऐसा वातावरण निर्माण करने में सभी वर्गों और समुदाय के लोग अपना-अपना योगदान कर सकते हैं। ऐसा करते समय उन तत्वों को अलग-थलग करना होगा जो देश को विभाजित करने में लगे रहते हैं और एक दूसरे के विरुद्ध घृणा का वातावरण बनाने हेतु प्रेरित करते हैं ।

हमें यह स्वीकार करना होगा कि देश के नागरिक इसी देश में रहने वाले हैं और इनमें से किसी को भी कहीं बाहर जाने के लिए नहीं कहा जा सकता। यह देश यहां रहने वाले सभी 140 करोड़ लोगों का है और सबका भविष्य एक साथ जुड़ा हुआ है। देश को कमजोर करके कोई भी एक वर्ग या समुदाय कभी आगे नहीं बढ़ सकता। यह बात सब राजनीतिक दलों को समझनी होगी। आगामी कुछ महीनों में चार राज्यों की विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव होंगे। इस बार क्या एक आम जन की तरह हम यह अपेक्षा कर सकते हैं कि चुनाव में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगड़ने का कोई काम नहीं होगा और केवल और केवल भारतीयों के विकास और बेहतरी की बात की जाएगी? विभिन्न दल अपनी ओर से इस बात के लिए मतदाताओं के समक्ष चुनावी घोषणा पत्र में रूपरेखा प्रस्तुत करें कि वह कैसे देश की गरीबी, कुपोषण, बीमारी, बेरोजगारी और महंगाई पर नियंत्रण करेंगे और ऐसा करने में भी किस प्रकार सभी वर्गों का सहयोग प्राप्त करेंगे? जो दल इस प्रकार का रोड मेप प्रस्तुत करने में सफल होंगे, उनको समर्थन मिलना निश्चित होगा। यदि अगले चुनाव में भी हमने अपने पुराने रास्तों को नहीं छोड़ा और केवल छोटे-छोटे स्वार्थ के लिए जनता को भड़काने का काम करने लगे तो फिर हम देश में दो सदियों में एक साथ जी रहे होंगे, एक 21वीं और 19वीं सदी में, जहां एक ओर भारत के वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ देश को दुनिया का सिरमौर बनाने का श्रेय प्राप्त करेंगे, वहीं यहाँ की सामाजिक कटुता और आपसी भेदभाव हमें कई क्षेत्रों में गरीब अफ्रीकी देशों से भी पीछे ले जाने का काम करेंगे।

पूर्व में देश के नागरिकों ने अनेक बार यह सिद्ध किया है। समय-समय पर जब भी देश कोई बहुत बड़ी सफलता प्राप्त करता है, सब लोग एक साथ मिलकर किस प्रकार से अपनी खुशी को व्यक्त करते हैं, इसका नवीनतम उदाहरण चंद्रयान-3 की सफलता के समय देखा गया। प्रत्येक नागरिक के द्वारा व्यक्त उल्लास देखते ही बनता था। इसी प्रकार जब कभी कोई बाहरी संकट होता है तब भी देश ने अपनी अद्भुत एकता का परिचय दिया है। प्रश्न केवल यही है कि क्या हमें एकता का परिचय देने के लिए किसी भारी संकट का इंतजार करना होगा या हम सामान्य समय में भी सदैव एकजुट होकर के राष्ट्र के प्रगति में अपना सर्वस्व लगाने के लिए अवसर लोगों को प्रदान कर पाएंगे? ऐसा हम सबको करना होगा । अपने राष्ट्र की प्रगति के लिए अपने व्यक्तिगत स्वार्थ को आगे नहीं रखेंगे एवं एक अच्छे नागरिक के रूप में अपने कर्तव्य का पालन करेंगे ताकि हम आने वाले समय में आने वाली पीढ़ियों लिए अच्छा उदाहरण प्रस्तुत कर सकें।

देश की विविधता इसका एक आभूषण है, इसकी कमजोरी नहीं। हमारे यहां पर जितनी विविधता है उतनी शायद विश्व के किसी भी देश में नहीं है। जब विभिन्न प्रकार की विविधताओं के साथ हम खुशहाली के साथ रह सकते हैं तो इन विविधताओं को हम अपनी कमजोरी क्यों बनने दें? कल्पना कीजिए सबको एक जैसा बनाने का प्रयास वैसा ही होगा जैसे किसी बगीचे में एक ही रंग के सारे फूल हों। कोई भी बगीचा तब ही बहुत लुभावना और अच्छा लगता है जब उसमें विभिन्न रंगों के फूल खिले हों। हमारा देश इसी प्रकार के विभिन्न रंगों के फूलों वाला गुलदस्ता है, जिसमें भांति-भांति के लोग, रीति रिवाज, त्योहार और उत्सव हैं। सभी एक-दूसरे के साथ इनको मनाने में सदैव से भागीदार रहे हैं।

आइए, हम सब मिलकर इस देश में सद्भावना बढ़ाने का काम करें और इसकी विविधताओं को स्वीकार करते हुए, सभी एक-दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हुए राष्ट्रहित को सर्वोच्च स्थान पर रखने हेतु प्रेरित करें। ऐसा करते समय शुरुआत हम स्वयं से ही करें। भारत के समक्ष एथलेटिक्स में जो उदाहरण 4X400 मीटर की रिले रेस की टीम ने प्रस्तुत किया है और जिस खेल भावना का प्रदर्शन नीरज चोपड़ा और नदीम ने प्रस्तुत किया है, उससे सीख लें। हमारे राजनीतिज्ञों को खिलाड़ियों से अवश्य सीख लेनी चाहिए तभी हम आगे बढ़ने का मार्ग तेजी से प्रशस्त कर पाएंगे और तब हम निश्चित रूप से विश्व गुरु कहलाने के वास्तविक हकदार।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

रेलमंत्री ने उदयपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का लिया जायजा

उदयपुर, (कासं)। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को उदयपुर के सिटी रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास कार्यों की प्रगति देखी। उन्होंने उदयपुर स्टेशन पर बनने वाले रूफ प्लाजा के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह रूफ प्लाजा देश के सबसे बड़े रूफ प्लाजा में से एक होगा।

इस दौरान पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश के स्टेशनों को विश्व स्तरीय बनाने की कडी में उदयपुर स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य बहुत तेज गति से चल रहा है। उल्लेखनीय है कि 354 करोड की लागत से उदयपुर स्टेशन का विश्वस्तरीय पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है। उदयपुर-अहमदाबाद ट्रैक पर और अधिक गाड़ियां चलाने के संबंध में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अभी तक यह ट्रैक नया था, लेकिन समय बीतने के साथ अब स्थिर हो चुका है, धीरे-धीरे इस पर गाडियों की संख्या भी बढ़ेगी। इस ट्रैक पर फेंसिंग का कार्य स्वीकृत कर शीघ्र पूर्ण कराया जाएगा।

उदयपुर स्टेशन के निरीक्षण के पश्चात रेल मंत्री ने उदयपुर से चित्तौडगढ -नीमच रेल खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया और महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे विजय शर्मा व प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर उत्तर पश्चिम रेलवे के कार्यों की समीक्षा। उन्होंने पुश ट्रॉली जैसे विभिन्न उत्पादों को और अधिक यांत्रिकीय बनाये जाने पर जोर दियाए साथ ही रोलिंग ब्लॉक को और अधिक प्रभावी ढ ंग से उपयोग किए जाने के निर्देश दिए ताकि ट्रेन संचालन में सुरक्षा सर्वोपरी रहे।

उल्लेखनीय है कि उदयपुर स्टेशन का विश्वस्तरीय पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है। 354 करोड रुपए की लागत से किये जाने वाले पुनर्विकास कार्यों के अंतर्गत नई बिल्डिंग के साथ ही कॉनकोर्स एवं फुट ओवर ब्रिज स्काई वॉक से जुडेंगे। रेलवे द्वारा उदयपुर स्टेशन को विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त करने के लिए पुनर्विकास कार्य युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। हाल ही में उदयपुर स्टेशन के पुनर्विकास का शिलान्यास माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नाथद्वारा से किया गया था।

इस अवसर पर उदयपुर सांसद अर्जुनलाल मीणा, महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे विजय शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक अजमेर राजीव धनखड व उत्तर पश्चिम रेलवे जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण सहित उत्तर पश्चिम रेलवे के कई अधिकारी मौजूद थे।

उदयपुर में केन्द्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव सिटी रेलवे स्टेशन के प्रगति कार्यो का अवलोकन किया।

■ **उदयपुर के सिटी रेलवे स्टेशन पर बनने वाले रूफ प्लाजा देश के सबसे बड़े रूफ प्लाजा में से एक होगा : रेल मंत्री**

दहेज और नशा मुक्त समाज के निर्माण का आव्हान

जोधपुर, (कासं)। दहेज विरोधी क्षत्रिय संघ की ओर से मारवाड़ राजपूत सभा भवन जोधपुर में सिवाणा मठ के संत चेस्टीनाथ के सानिध्य में व मारवाड राजपूत सभा के अध्यक्ष हनुमान सिंह खागटा के मुख्य अतिथि में तथा दहेज विरोधी क्षत्रिय संघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष गणपत सिंह राठौड की अध्यक्षता में एक दिवसीय सगाई व परिचय सम्मेलन का भव्य आयोजन संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष गणपत सिंह राठौड ने समाज में फैली कुरितियों, कुप्रथाओं व कुरिवाजों पर अंकुश लगाने तथा दहेज और नशा मुक्त समाज के निर्माण का आव्हान किया तथा फिजूल खर्ची व दिखावा नहीं करने की अपील की। संस्थापक महेंद्र सिंह जाखली ने बताया कि इस अवसर पर 700 विवाह योग्य युवक युवतियों के रजिस्ट्रेशन हुए तथा बायोडाटा मिलान व परिचय सम्मेलन भी रखा गया। सम्मेलन में चार दहेज विरोधी सगाईयां भी हुई जिनको तथा दहेज नहीं लेने वाले 25 परिवारों को मंच पर सम्मानित किया गया। हनुमान सिंह खागटा ने बताया कि आज दहेज विरोधी क्षत्रिय संघ ने मारवाड क्षेत्र में सफल व भव्य आयोजन काआगाज किया है जो बहुत ही समाज में जागृति योग्य व समाज को सशक्त बनाने योग्य है। इस अवसर पर संघ के जिलाध्यक्ष गोपाल सिंह सिसोदिया, प्रदेश उपाध्यक्ष जबर सिंह राठौड, युवा अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह तेना, देवेंद्र सिंह शेखावत, देवी सिंह चौहान, विक्रम सिंह छावसरी, सुमन कंवर, रंभा कंवर, भंवर मनजीत सिंह, गजेंद्र सिंह, तेज सिंह चावडिया, दिनेश सिंह बाबरा, बिशन सिंह सोडा, गिरधारी सिंह शेखावत, शायर सिंह सहित भारी संख्या में मातृशक्ति व समाजसेवियों ने संबोधित करते हुए दहेज नहीं लेने का संकल्प लिया। लगभग 2000 से ऊपर समाज बंधु व मातृशक्ति की उपस्थिति उपस्थिति रही व सहभोज का भी आयोजन रखा गया।

दहेज विरोधी क्षत्रिय संघ की ओर से मारवाड़ राजपूत सभा भवन जोधपुर में सगाई व परिचय सम्मेलन का आयोजन संपन्न हुआ।

■ **दहेज नहीं लेने वाले 25 परिवारों को मंच पर सम्मानित किया**

घर में शुद्ध हवा के लिए आई.आई.टी. जोधपुर ने डिवाइस विकसित की

यह डिवाइस 99.99 प्रतिशत से अधिक हानिकारक विषाणुओं को निष्क्रिय करती है

जोधपुर, (कासं)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के शोधकर्ताओं ने घर के अन्दर बेहतर वायु गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नवीन कोल्ड-प्लाज्मा डिटर्जेंट इन एनवायरनमेंट (कोड) डिवाइस को विकसित किया है। शोध में इस डिवाइस की व्यापक रूप से जांच की गई है जिसमें यह सामने आया है कि यह डिवाइस 99.99 प्रतिशत से अधिक हानिकारक विषाणुओं को निष्क्रिय करती है और उच्च गुणवत्ता वाली इंडोर वायु प्रदान करती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण मुख्य रूप से पुरानी बीमारियों के खतरों को बढ़ाने के पांच कारणों में से एक है। हम भोजन की तुलना में आठ गुना अधिक और पानी की तुलना में चार गुना अधिक ऑक्सीजन या हवा को ग्रहण करते हैं। इंडोर ऑक्सीजन में आमतौर पर बाहरी हवा की तुलना में लगभग 2-5 गुना अधिक प्रदूषण होता है। वहीं आजकल सिक बिल्डिंग सिंड्रोम भी एक चुनौतीपूर्ण मुद्दा है।

इनके अलावा हवा में रहने वाले रोगाणु से होने वाला संक्रमण भी वर्तमान में एक बड़ी चुनौती है। लगभग हर साल हम देख रहे हैं कि एक नये बैक्टीरिया या वायरस की उत्पत्ति हो रही है जिससे बीमारियां और महामारी उत्पन्न हो रहीं है। वर्तमान में उपलब्ध इंडोर वायु शुद्धिकरण उपकरणों द्वारा लम्बे समय तक जीवित रहने वाले विषाणुओं और छोटे आकार के एयरोसोल्स को प्रभावी तरीके ख़त्म नहीं किया जा सकता है। घर के वातावरण में वायु जनित रोगाणुओं व विषाणुओं के संक्रमण के जोखिमों को कम करने के लिए आईआईटी जोधपुर के प्रोफेसर डॉ. राम प्रकाश, डॉ. अंबेश दीक्षित, रामावतार जांगड़ा, किरण आहलावत द्वारा एक नॉवेल कोल्ड-प्लाज्मा डिटर्जेंट इन एनवायरनमेंट कोड डिवाइस विकसित की गई है। जिसके परिणाम हाल ही में नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित किए गए हैं। इस तकनीक पर आधारित इंडोर एयर स्टेरलाइजर्स का निर्माण दिव्या प्लाज्मा सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। यह एक स्टार्टअप कंपनी है जो आईआईटी जोधपुर टेक्नोलॉजी इनोवेशन और स्टार्टअप सेंटर (टीआईएससी) द्वारा संचालित है। इस कंपनी का उद्देश्य घर के वातावरण में वायु जनित रोगाणुओं को निष्क्रिय करना और संक्रमण के जोखिमों से एक साथ निपटना है साथ ही दूषित जगहों पर हवा को शुद्ध करना है।

■ **विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण मुख्य रूप से पुरानी बीमारियों के खतरों को बढ़ाने के पांच कारणों में से एक है**

राशिफल मंगलवार 5 सितम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2080, भरणी नक्षत्र प्रात: 9:00 तक, व्याघात योग रात्रि 11:23 तक, वणिज करण दिन 3:47 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:00 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग दिन 9:00 से आरम्भ होगा। त्रिपुष्कर योग दिन 3:47 से सूर्योदय तक है। भद्रा दिन 3:47 से रात्रि 3:43 तक है। आज हल षष्ठि और ललही छठ, शिक्षक दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:18 से 10:52 तक, लाभ-अमृत 10:52 से 1:59 तक, शुभ 3:33 से 5:06 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:40

मेष
मन:स्थिति में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से वाद-विवाद आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक
स्वास्थ्य में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मकर
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिजनों के व्यवहार के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यक्तिगत प्रयासों से महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मीन
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा का ध्यान रखें। घर-परिवार में वाद-विवाद बढ़ सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।